पाठ २ जैसा सवाल वैसा जवाब

पाठ का सारांश

बादशाह अकबर अपने मंत्री बीरबल को बहुत पसंद करता था। इस कारण कुछ दरबारी बीरबल से जलते थे। वे बीरबल को मुसीबत में फंसाने के तरीके सोचते रहते थे। ख्वाजा सरा, जो अकबर के एक खास दरबारी थे, अपनी बुद्धि और विद्या के आगे बीरबल को निरा बालक और मूर्ख समझते थे। एक दिन उन्होंने बीरबल को मूर्ख साबित करने के लिए कुछ मुश्किल प्रश्नों को इकट्ठा कर लिया । उसे लगा कि बीरबल उन प्रश्नों का उत्तर सही नहीं दे पाएगा फिर बादशाह के सामने उनकी अहमियत बढ़ जाएगी। ख्वाजा सरा अपनी पगड़ी पहनकर दाढ़ी को सहलाते हुए अकबर के पास पहुँचा । अकबर को तीन सवाल देकर उन्होंने कहा कि उनके जवाब बीरबल से पूछे जाए जिससे बुद्धिमता का पता चल सके । अकबर ने उसकी बात मानकर बीरबल को वहाँ बुलाया और कहा कि ज्ञानी ख्वाजा तुमसे तीन प्रश्न पूछना चाहते हैं । इस पर बीरबल ने अकबर से प्रश्न पूछने को कहा । अकबर ने बीरबल से पहला प्रश्न पूछा, "संसार का केन्द्र कहाँ है?" बीरबल ने इसके उत्तर मे जमीन पर अपनी छड़ को गाड़कर कहा कि यही वह स्थान है, जो संसार के बीचों-बीच पड़ता है । बीरबल ने आगे कहा कि आप चाहे तो फीते से सारी दुनिया को नापकर देख सकते है । इसके बाद अकबर ने दूसरा प्रश्न पूछा- ." आकाश में कितने तारे हैं ?" बीरबल ने इसके उत्तर मे एक भेड़ मँगाई और कहा कि इस भेड़ के शरीर में जितने बाल हैं, उतने ही तारे पूरे आकाश में हैं । बीरबल ने आगे कहा कि आप चाहे तो इसके बालों को गिनकर तारों की संख्या जान सकते है। अब अकबर ने उससे तीसरा सवाल पू छा- " संसार की आबादी कितनी है ?" बीरबल ने कहा कि इस संसार की आबादी तो हमेशा घटती-बढ़ती रहती है । हर एक पल लोगों का मरना जीना लगा ही रहता है। इसलिए हमे संसार की आबादी का पता लगाने के लिए सभी लोगों को एक जगह इकट्ठा करना होगा तब जाकर उनकी सही संख्या बताई जा सकती है । अकबर बीरबल के तीनों उत्तरों से सहमत था । ख्वाजा बीरबल के उत्तरों से सहमत नहीं था । उसने बीरबल को सही जवाब देने को कहा । तब बीरबल ने उससे कहा कि आपने जो प्रश्न पूछे है उनके ऐसे ही जवाब होते हैं। और कहाँ आप मेरे जवाबों को गलत साबित करके बताए । ख्वाजा इसके जवाब मे कुछ भी नहीं बोल पाया ।

शिक्षा : इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कभी भी दूसरों को नीचा दिखाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए ।

Free worksheets, Learning material, practice tests & more at www.onepointlearning.com

कठिन शब्द:-

बुद्धि	हिंदुस्तान	अनुरोध
मुसीबत	विश्वास	जहाँपनाह
विधा	संतोषजनक	आबादी
अभिमान	सहलाते	संतुष्ट
मुर्ख	गहराई	सिकोड़कर
नक्कारखाने	अकल-बहादुर	ज्ञानी

शब्दार्थ:-

मुसीबत – परेशानी	कोशिश – प्रयत्न, श्रम	नक्कारखाने - नगाड़ा रखने की जगह
विधा - शिक्षा	बुद्धिमान – होशियार	तूती बोलना- बात का असर होना
अभिमान – घमंड	अनुरोध- आग्रह, विनती	कलई खुलना - भेद खुल जाना
निरा - कोरा, निपट	आकाश – आसमान	आबादी - लोगो की संख्या
मूर्ख – बेवकूफ	ज़मीन – धरती	
विश्वास – भरोशा	तरीका - उपाय	

वचन बादलों:-

मंत्री - मंत्री	दरबारी - दरबारी	प्रश्न - प्रश्नों
मुसीबत - मुसीबतें	मुश्किल - मुश्किले	छड़ी - छड़ियाँ
बालक - बालको	पगड़ी - पगड़ियाँ	

विलोम शब्द:-

पसंद - नापसंद	लंबी - चौड़ी	अनुरोध – जबरदस्ती
मुर्ख - ज्ञानी	विश्वास - अविश्वास	
संतोष - असंतोष	संदेह - सपष्ट	

तुम्हारी बात

(क) ख्वाजा सरा के तीनों सवालों का क्या कोई और जवाब हो सकता है? अपने मन से सोचकर लिखो।

उत्तर: ख्वाजा सरा का पहला सवाल था-संसार का केन्द्र कहाँ है? इसका दूसरा जवाब हो सकता है आप जिस स्थान पर खड़े हैं वही संसार का केन्द्र है। उनका दूसरा सवाल था-आकाश में कितने तारे हैं? इसका दूसरा जवाब हो सकता है-आकाश में उतने ही तारे हैं जितने आपके सिर में बाल हैं। उनका तीसरा सवाल था-संसार की आबादी कितनी है? इसका दूसरा जवाब हो सकता है-ख्वाजा साहब पहले संसार के सभी लोगों को इकट्ठा करें फिर हम गिनकर आबादी बता देंगे।

Free worksheets, Learning material, practice tests & more at www.onepointlearning.com

(ख) अगर तुम ख्वाजी सरा की जगह पर होते तो बीरबल को हराने के लिए कौन-से सवाल पूछते?

उत्तर: अगर मैं ख्वाजा सरा की जगह पर होता तो बीरबल को हराने के लिए यह सवाल पूछता- "बादशाह का कहना है कि बीरबल मूर्ख है, उसे देश निकाला दे देना चाहिए। बादशाह ने झूठ बोला या सच?"

नोट – विद्यार्थी अपनी-अपनी रूचि के अनुसार अलग-अलग सवाल बनाएँ।

(ग) ख्वाजा सरा का बस चलता तो वे बीरबल को हिंदुस्तान से निकाल देते। अगर तुम्हारा बस चले तो तुम कौन-कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहोगे?

उत्तर: मैं अपने देश से गरीबी और भुखमरी हटाकर उसे दुनिया का स्वर्ग बनाऊँगा।

बस

नीचे लिखे वाक्य पढ़ो-

- **मैं बस में बैठकर स्कूल जाती हूँ।**
- **ख्वाजा सरा का बस चलता तो वे बीरबल को निकाल देते।**
- **बस! अब रुक जाओ।**
- **बस दो दिन की तो बात है। मैं आ जाऊँगी।**

ऊपर लिखे वाक्यों में बस शब्द के अर्थ अलग-अलग हैं।

अब इसी तरह चल शब्द से वाक्य बनाओ।

(संकेत-चल, चल-चल, चला, चलें, चलना, चलती, चलो)

उत्तर:

- तू मेरे साथ चल।
- आज तो मैं चल-चल कर थक गया हूँ।
- लो, वह तो चला।
- अच्छा, अब हम चलें।
- क्या तुम्हें मेरे साथ चलना है?
- चलती ट्रेन से नहीं उतरना चाहिए।
- तुम मेरे साथ चलो।

बढ़े कहानी

एक दिन अकबर ने बीरबल से पूछा, "बीरबल, दुनिया में सबसे अधिक शक्तिशाली कौन है?" बीरबल ने क्या कहा होगा? कहानी आगे बढ़ाओ।

उत्तर: एक दिन अकबर ने बीरबल से पूछा, "दुनिया में सबसे शक्तिशाली कौन है?" बीरबल ने कहा- "जहाँपनाह गोद में बैठने वाला बच्चा।" अकबर ने कहा- "यह हो ही नहीं सकता।" इस पर बीरबल ने कुछ दिनों बाद एक छोटे से बच्चे को अनुमति माँग कर उनकी गोद में बिठा दिया। बच्चा खेलता रहा। वह कभी मारता, कभी जिद करता और कभी अकबर की मूँछ पकड़ता। इस पर बीरबल ने कहा- "देखा महाराज जो बच्चा गोद में है उसने आपकी मूँछ पकड़ ली जबकि ऐसा करने की किसी की हिम्मत नहीं है।" अकबर बीरबल की बुद्धिमानी पर बहुत खुश हुआ।

Free worksheets, Learning material, practice tests & more at www.onepointlearning.com

खोजो कहानियाँ

बीरबल की चतुराई के किस्से बहुत मशहूर हैं।

(क) तुम भी बीरबल का एक ऐसा ही किस्सा ढूँढ़ो जिसमें वह अपने जवाबों से सबका मुँह बंद कर देता है।

उत्तर: एक बार अकबर ने ऐलान किया- "जो व्यक्ति सारी रात नंगे बदन इस नदी के पानी में खड़ा रहेगा उसे मेरी तरफ़ से भारी इनाम मिलेगा।" यह ऐलान सुनकर एक गरीब ब्राह्मण ऐसा करने के लिए तैयार हो गया। वह पूरी रात नंगे बदन नदी के ठंडे जल में खड़ा रहा।अगली सुबह उसने दरबार में अकबर से अपना इनाम माँगा। अकबर ने उससे पूछा- "तुम पूरी रात कैसे कड़कती ठंड में पानी में खड़े रहे। वह ब्राह्मण बोला- "राजन्! आपके महल में एक दीया जल रहा था। उसकी लौ को देखते हुए मैंने पूरी रात बिता दी।" इस पर अकबर बोला- "हे ब्राह्मण! फिर तो आप इनाम के हकदार नहीं हैं। उस दीये की ऊष्मा से ही आपको गरमी मिली है।" अत: अकबर ने इनाम देने से मना कर दिया।

बीरबल को यह अच्छा नहीं लगा। अगले दिन बीरबल ने अकबर व अन्य दरबारियों को खिचड़ी खाने का निमत्रंण दिया। सब सही समय पर पहुँच गए परन्तु बीरबल का कुछ पता नहीं था। भूख के मारे सबका बुरा हाल था। अकबर ने सिपाही से कहा– "जाओ! देखो बीरबल को इतनी देर क्यों हो रही है?" थोड़ी देर पश्चात सिपाही आया और बोला- "जहाँपनाह! खिचड़ी पक रही है।" बहुत देर हो गई परन्तु खिचड़ी परोसी नहीं गई।

अकबर ने इस बार फ़िर पूछा- "क्या बात है? देर क्यों हो रही है।" बीरबल ने कहा- "जहाँपनाह! खिचड़ी पक रही है।" इस बार अकबर ने उसे देखने की इच्छा ज़ाहिर की। जब अकबर ने वहाँ जाकर देखा तो दूर ऊँचाई पर हाँडी लटक रही थी और उसके नीचे थोड़ी आग जल रही थी। अकबर को बहुत गुस्सा आया। उसने बीरबल से ऐसा करने का कारण पूछा।

बीरबल ने कहा- "जहाँपनाह! जब दूर से आती दीये की रोशनी की ऊष्मा से ब्राह्मण को गरमी मिल सकती है तो यह खिचड़ी क्यों नहीं पक सकती।" अकबर बीरबल की बुद्धिमानी पर खुश हुए और उस ब्राह्मण को बुला कर इनाम दिया।

(ख) बीरबल की तरह बहुत से अन्य व्यक्तियों की हाज़िरजवाबी के किस्से प्रसिद्ध हैं। उनके नाम पता करो।

उत्तर: उनके नाम हैं-तेनालीराम, मुल्ला नसीरूद्दीन, लाल बुझक्कड़, शेख चिल्ली आदि।

एक और शब्द

नीचे लिखे शब्दों की जगह और कौन-सा शब्द इस्तेमाल हो सकता है? खाली जगह में लिखो।

बुद्धिमान	_____	संसार	_____	विश्वास	_____
अभिमान	_____	मूर्ख	_____	कोशिश	_____

उत्तर:

बुद्धिमान	-	चतुर	मूर्ख	-	बेवकूफ
अभिमान	-	घमंड	विश्वास	-	भरोसा
संसार	-	दुनिया	कोशिश	-	प्रयत्न

मुहावरे

नीचे लिखे मुहावरों का इस्तेमाल तुम कब-कब कर सकते हो? आपस में चर्चा करो। अब इनका वाक्यों में इस्तेमाल करो।

- **नाक-भौंह सिकोड़ना**
- **कलई खुलना**

उत्तर:

- नाक-भौं सिकोड़ना - कहीं भी बाहर जाने के नाम पर वह नाक-भौं सिकोड़ने लगता है।
- कलई खुलना - चोरी की कलई खुलते ही वह धीरे से खिसक गया।

Free worksheets, Learning material, practice tests & more at www.onepointlearning.com